

Lapitz, A., Arbelaiz, A., O'Rourke, C. J., Lavin, J. L., Casta, A. L., Ibarra, C., Jimeno, J. P., Santos-Laso, A., Izquierdo-Sanchez, L., Krawczyk, M., Perugorria, M. J., Jimenez-Aguero, R., Sanchez-Campos, A., Riaño, I., González, E., Lammert, F., Marziani, M., Macias, R. I. R., Marin, J. J. G., ... Banales, J. M. (2020). Patients with Cholangiocarcinoma Present Specific RNA Profiles in Serum and Urine Extracellular Vesicles Mirroring the Tumor Expression: Novel Liquid Biopsy Biomarkers for Disease Diagnosis. *Cells*, 9(3), 1-33. <https://doi.org/10.3390/cells9030721>

Mayo Clinic (2023). Cholangiocarcinoma (bile duct cancer). Retrieved from: <https://www.mayoclinic.org/diseases-conditions/cholangiocarcinoma/symptoms-causes/syc-20352408>

Oh, D-Y., He, A.R., Qin, S., Chen, L-T., Okusaka, T., Vogel, A.,... Valle, J.W. (2022). Durvalumab plus gemcitabine and cisplatin in advanced biliary tract cancer. *New England Journal of Medicine*. 1(8), doi:10.1056/EVIDoa2200015

Ramjeesingh, R., Chaudhury, P., Tam, V.C., Roberge, D., Lim, H.J., Knox, J.J., Asselah, J., Doucette, S., Chhiber, N. & Goodwin, R. (2023). A procativa; guide for the systemic treatment of biliary tract cancer in Canada. *Current Oncology*. 30, 7132-7150. <https://doi.org/10.3390/curroncol30080517>
Retrieved from: <https://www.mdpi.com/journal/curroncol>

Simile, M.M., Bagella, P., Vidili, G., Spanu, A., Manetti, R., Seddaiu, M.A., ...Paliogiannis, P. (2019). Targeted therapies in cholangiocarcinoma: Emerging evidence from clinical trials. *Medicina (Kaunas)*. 55(2): 42. doi: 10.3390/medicina55020042

March 2025/bjc
mychcc.ca

कोलेजियोकार्सिनोमा (CCA) पित्त वाहिनी का कैंसर



पित्त वाहिनी क्या काम करती हैं?

पित्त वाहिनी वो नलिकाएँ हैं जो लिवर और पित्ताशय को छोटी आंत से जोड़ती हैं। पित्त लिवर में बनता है और पित्त वाहिनी पित्त को लिवर और पित्ताशय से छोटी आंत तक पहुँचाने में मदद करती हैं, जिससे फैट को पचाने में सहायता मिलती है।

कोलेजियोकार्सिनोमा क्या होता है?

यह पित्त वाहिनी का कैंसर है।

स्थान के आधार पर कोलेजियोकार्सिनोमा (CCA) तीन प्रकार का होता है:

1. **इंट्राहेपेटिक कोलेजियोकार्सिनोमा (iCCA)**
 - यह लिवर के अंदर पित्त वाहिनी में पाया जाता है
2. **एक्स्ट्राहेपेटिक या डिस्टल कोलेजियोकार्सिनोमा (dCCA)**
 - यह लिवर के बाहर पित्त वाहिनी के हिस्से में पाया जाता है
3. **हिलर कोलेजियोकार्सिनोमा या क्लाट्सकिन ट्यूमर (pCCA)**
 - यह उस जगह पाया जाता है जहाँ दाईं और बाईं पित्त वाहिनी जुड़ती हैं।

संकेत और लक्षण

- ✓ पीलिया (त्वचा और आंखों का पीला पड़ना)
- ✓ गहरे रंग का पेशाब
- ✓ मिट्टी के रंग का मल
- ✓ पेट में दर्द
- ✓ त्वचा में खुजली
- ✓ बुखार
- ✓ मितली और उल्टी
- ✓ थकान
- ✓ वज़न घटना

जोखिम कारक

- ✓ ज़्यादातर CCA बिना किसी स्पष्ट कारण के होते हैं
- ✓ प्राइमरी स्कलेरोसिंग कोलेजाइटिस (PSC)
 - एक ऑटोइम्यून विकार
- ✓ प्राइमरी बिलियरी स्टोन्स (पित्ताशय की पथरी)
- ✓ हेपेटाइटिस B या C का पुराना वायरल संक्रमण
- ✓ अल्सरेटिव कोलाइटिस
- ✓ लिवर फ़्लूक (परजीवी कीड़े)
- ✓ डायबिटीज़
- ✓ रासायनिक पदार्थों का संपर्क
- ✓ जन्मजात बीमारियाँ:
 - पित्त और अग्नाशयी वाहिनी का असामान्य रूप से जुड़ना और कोलेडोकल सिस्ट
 - लिवर के बाहर पित्त वाहिनी का असामान्य फैलाव (दुर्लभ)

कोलेजनियोकार्सिनोमा से संबद्ध

- ✓ मोटापा
- ✓ शराब का सेवन
- ✓ तंबाकू का धूम्रपान
- ✓ लिवर सिरोसिस
- ✓ (MASLD) (मेटाबॉलिक डिसफ़ंक्शन-एसोसिएटेड स्टीटोटिक लिवर डिज़ीज़)

क्लिनिकल ट्रायल

- ✓ CAPTUR वेबसाइट (कैनेडियन)
 - <https://clinicaltrials.gov/ct2/show/NCT03297606>
- ✓ दुनिया भर में क्लिनिकल ट्रायल्स के लिए वेबसाइट
 - <https://www.clinicaltrials.gov>

रोग का पूर्वानुमान

- ✓ गंभीर कैंसर जिसमें औसत जीवन प्रत्याशा लगभग 24 महीने है
- ✓ इसका एकमात्र इलाज पूरी तरह से ट्यूमर को काटकर निकालना है
- ✓ विश्व स्तर पर, जीवित रहने की दर लगभग 10% है।

बचाव

- ✓ धूम्रपान बंद करें
- ✓ लिवर की बीमारियों का खतरा कम करें:
 - शराब का सेवन संयमित मात्रा में करें (सप्ताह में 0-2 पैग)
- ✓ स्वस्थ वज़न बनाए रखें
- ✓ माँस को अच्छी तरह पकाकर खाएँ
- ✓ रसायनों के साथ काम करते समय निर्देशों का पालन करें

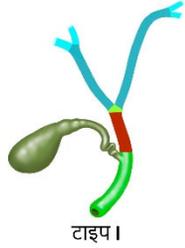
संदर्भ

Canadian Cancer Society (2023). What is bile duct cancer? Retrieved from: <https://cancer.ca/en/search#q=what%20is%20bile%20duct%20cancer&ort=relevancy>

Gupta, A. & Dixon, E. (2017). Epidemiology and risk factors: Intrahepatic cholangiocarcinoma. *Hepatobiliary Surgery and Nutrition*, 6(2): 101-104 doi: 10.21037/hbsn.2017.01.02

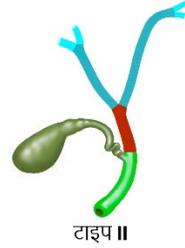
Kirstein, M.M. & Vogel, A. (2016) Epidemiology and Risk factors of cholangiocarcinoma. *Visceral Medicine* 32(6). 395-400. doi: 10.1159/000453013

पेरिहिलर कैंसर
बिसमथ-कोलेट (Bismuth-Corlette) प्रकारों का



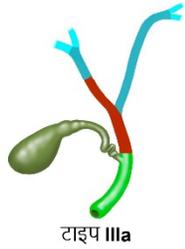
इसमें लिवर की साझा वाहिनी शामिल है।

टाइप I



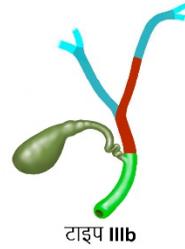
इसमें लिवर की साझा वाहिनी और लिवर की दाईं और बाईं वाहिनी का जंक्शन शामिल है।

टाइप II



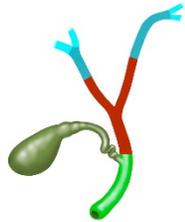
इसमें लिवर की साझा वाहिनी और लिवर की दाईं और बाईं वाहिनी का जंक्शन और लिवर की दाईं वाहिनी शामिल है।

टाइप IIIa



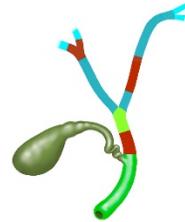
इसमें लिवर की साझा वाहिनी और लिवर की दाईं और बाईं वाहिनी का जंक्शन और लिवर की बाईं वाहिनी शामिल है।

टाइप IIIb



टाइप IIIa और IIIb का संयोजन।

टाइप IV
यह इनमें से कोई भी हो सकता है



लोकेशन हर जगह मौजूद हैं।

✓ मेटाबॉलिक सिंड्रोम

निदान

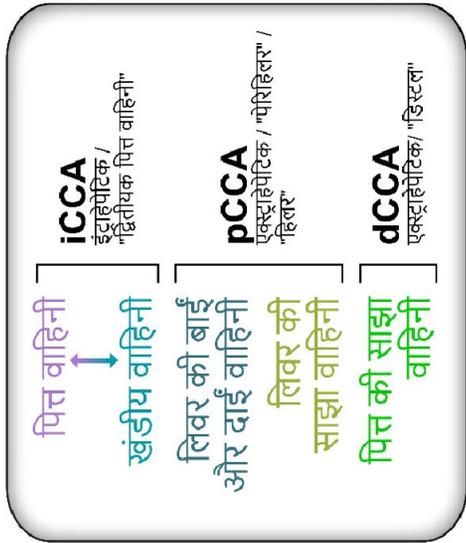
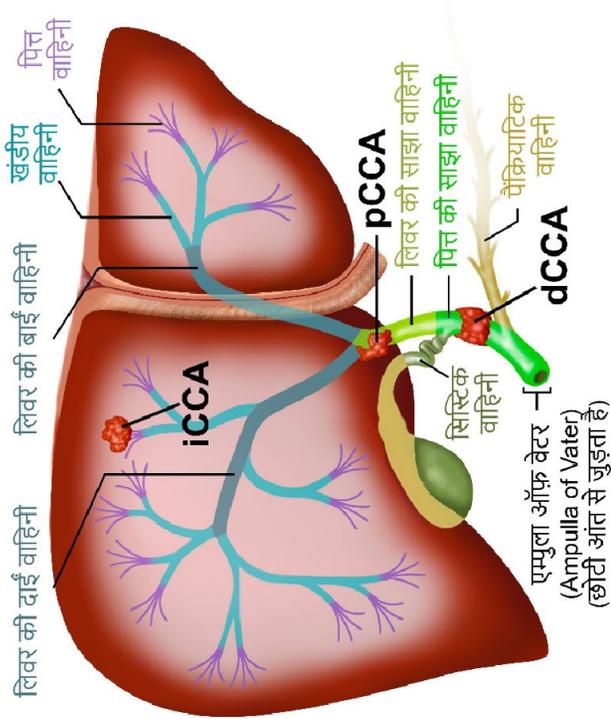
- ✓ रक्त रसायन के जाँच
- ✓ ट्यूमर मार्कर की जाँच CEA और CA-19-9
- ✓ बायोप्सी
- ✓ अल्ट्रासाउंड
- ✓ सीटी (CT) स्कैन
- ✓ लैप्रोस्कोपी
- ✓ बायोमार्कर (जैवचिह्न)
- ✓ ctDNA | लिक्विड बायोप्सी

इलाज

अपने डॉक्टर से विकल्पों पर खुलकर बात करें।

- ✓ ऑपरेशन:
 - अगर ट्यूमर छोटा है तो पित्त वाहिनी के एक भाग को निकालना, आंशिक हेपेटेक्टॉमी या व्हिपल (Whipple) प्रक्रिया
- ✓ सर्जरी के बाद सहायक उपचार:
 - कैंसर के वापस आने के खतरे को कम करने के लिए कीमोथेरेपी या रेडिएशन थेरेपी
- ✓ प्रशामक सर्जरी:
 - पित्त मार्ग बाईपास या एंडोस्कोपिक स्टेंट लगाना
- ✓ रेडिएशन थेरेपी
- ✓ कीमोथेरेपी: कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने के लिए दवाओं का उपयोग
- ✓ रीजनल कीमोथेरेपी
- ✓ इम्यूनोथेरेपी
- ✓ टारगेटेड थेरेपी
- ✓ हिस्टोट्रिप्सी

कोलॉंजियोकार्सिनोमा (CCA)



CHOLANGIO-HEPATOCELLULAR CARCINOMA
CANADA
mychcc.ca

पित्त नली के ट्यूमर का आकारिकी वर्गीकरण

